1. उन्नीसवीं शताब्दी के धर्म एवं समाज सुधार आंदोलनों ने जनसंख्या के किस वर्ग को मुख्यतः आकर्षित किया?

(i) बुद्धिजीवी **(ii)** नगरीय उच्च जातियां

(iii) निर्धन सर्वसाधारण वर्ग **(iv)** उदार राजवाड़े

अपने उत्तर का चयन निम्नांकित कूटों से करें—

(a) केवल (i) (b) (i) एवं (ii)

(c) (i), (ii) एवं (iii) (d) (i), (ii) एवं (iv)

47th B.P.S.C. (Pre) 2005

उत्तर—(d)

Scanned with OKEN Scanner

उन्नीसवीं शताब्दी के धार्मिक एवं सामाजिक सुधार आंदोलनों का भारत के आधुनिक इतिहास में विशेष स्थान है। इन आंदोलनों ने बुद्धिजीवियों और मध्यम वर्ग को सर्वाधिक प्रभावित किया। निर्धन सर्वसाधारण वर्ग इन आंदोलनों से लगभग अप्रभावित ही रहा। बुद्धिजीवी, नगरीय उच्च जातियां एवं उदार राजवाड़े इन आंदोलनों से प्रभावित थे।

2. निम्न वक्तव्यों पर विचार कीजिए—

कथन (A) : 19वीं सदी के सामाजिक-धार्मिक आंदोलनों के कारण भारत का आधुनिकीकरण हुआ।

कारण (R) : सामाजिक-धार्मिक आंदोलनों के मूल में बुद्धिवाद, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा अन्य ऐसे विचार थे, जो आधुनिकता के आधार माने जाते हैं।

निम्न कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(a) (R) सही है, किंतु (A) गलत है।

(b) (A) व (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) है।

(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।

(d) (A) व (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं करता।

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2016

उत्तर—(b)

उन्नीसवीं शताब्दी के धार्मिक एवं सामाजिक सुधार आंदोलनों का भारत के आधुनिक इतिहास में विशेष स्थान है। इस आंदोलन ने बुद्धिजीवियों और मध्यम वर्ग को सर्वाधिक प्रभावित किया। इन सामाजिक आंदोलनों के कारण भारत का आधुनिकीरण प्रारंभ हुआ। इसके मूल में बुद्धिवादी तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण निहित थे, जो आधुनिकीकरण के आधार स्तंभ माने जाते हैं। अतः कथन (A) व कारण (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) है।

3. निम्न में से किस वर्ग को सर्वप्रथम पश्चिमी सभ्यता ने प्रभावित किया?

(a) कुलीन जमींदार (b) नवीन धनवान व्यापारी

(c) शिक्षित हिंदू मध्यम वर्ग (d) शिक्षित मुसलमान

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1996

उत्तर—(c)

शिक्षित हिंदू मध्यम वर्ग को सर्वप्रथम पश्चिमी सभ्यता ने प्रभावित किया। नवीन पाश्चात्य शिक्षित वर्ग तर्कवाद, विज्ञानवाद तथा मानववाद से बहुत प्रभावित हुआ। भारतीय समाज एवं धर्म सुधारकों ने इस नवज्ञान से प्रभावित होकर भीतर से हिंदू धर्म और समाज को सुधारने का प्रयत्न किया और अंधविश्वासों, मूर्ति पूजा तथा तीर्थ यात्रा आदि को तर्क के तराजू में तौलकर धार्मिक एवं सामाजिक सुधार किए।

4. निम्न महापुरुषों में से कौन 'भारतीय जागृति' का जनक कहलाता है?

(a) विवेकानंद (b) राजा राममोहन राय

(c) रवींद्रनाथ टैगोर (d) दयानंद सरस्वती

U.P. P.C.S. (Pre) 1994

उत्तर—(b)

राजा राममोहन राय को 'भारतीय पुनर्जागरण का पिता', 'भारतीय राष्ट्रवाद का पैगंबर', 'अतीत और भविष्य के मध्य सेतु', 'भारतीय राष्ट्रवाद का जनक, 'आधुनिक भारत का पिता', 'प्रथम आधुनिक पुरुष' तथा 'युगदूत' कहा गया।

5. भारतीय राष्ट्रवाद का जनक किसे माना जाता है?

(a) गोपाल कृष्ण गोखले (b) बाल गंगाधर तिलक

(c) सुरेंद्रनाथ बनर्जी (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2013

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. किसको 'भारतीय पुनर्जागरण का पिता' कहा जाता है?

(a) राजा राममोहन राय (b) दयानंद सरस्वती

(c) स्वामी विवेकानंद (d) रामकृष्ण परमहंस

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Mains) 2007

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. भारतीय पुनर्जागरण आंदोलन के पिता कौन थे?

(a) बाल गंगाधर तिलक (b) दयानंद सरस्वती

(c) श्रद्धानंद (d) राजा राममोहन राय

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. भारत में पुनर्जागरण आंदोलन का अग्रणी दूत था—

(a) देवेंद्रनाथ टैगोर (b) केशवचंद्र सेन

(c) ईश्वरचंद्र विद्यासागर (d) राममोहन राय

U.P. P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. भारतीय राष्ट्रवाद का पैगंबर किसे माना जाता है?

(a) एम.के. गांधी (b) राममोहन राय

(c) रवींद्रनाथ टैगोर (d) दयानंद सरस्वती

U.P. Lower Sub. (Pre) 2009

उत्तर—(b)

Scanned with OKEN Scanner

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. भारत का प्रथम 'आधुनिक पुरुष' किसे माना जाता है?
(a) नाना साहब (b) ए.ओ. ह्यूम
(c) राजा राममोहन राय (d) स्वामी विवेकानंद
R.A.S./R.T.S. (Pre) 2012

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. राजा राममोहन राय द्वारा स्थापित प्रथम संस्था थी–
(a) ब्रह्म समाज (b) आत्मीय सभा
(c) ब्रह्म सभा (d) तत्वबोधिनी सभा
U.P. P.C.S. (Mains) 2009

उत्तर–(b)

हिंदू धर्म के एकेश्वरवादी मत का प्रचार करने के लिए 1815 ई. में राजा राममोहन राय ने अपने युवा समर्थकों के सहयोग से 'आत्मीय सभा' की स्थापना की। राजा राममोहन राय द्वारा स्थापित यह प्रथम संस्था थी।

12. निम्नलिखित में कौन 'आत्मीय सभा' के संस्थापक थे?
(a) राजा राममोहन राय (b) स्वामी दयानंद सरस्वती
(c) स्वामी विवेकानंद (d) अरबिंद घोष
41st B.P.S.C. (Pre) 1996

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

13. ब्रह्म समाज की स्थापना हुई थी, वर्ष–
(a) 1827 (b) 1829
(c) 1831 (d) 1843
41st B.P.S.C. (Pre) 1996

उत्तर–(*)

राजा राममोहन राय ने 20 अगस्त, 1828 को 'ब्रह्म सभा' नाम से एक नए समाज की स्थापना की, जिसे आगे चलकर 'ब्रह्म समाज' के नाम से जाना गया। इस समाज ने मूर्ति पूजा का विरोध किया और एक ब्रह्म की पूजा का उपदेश दिया। यह ऐसे लोगों की जमात थी, जो ईश्वर की एकता में विश्वास करते थे और मूर्ति पूजा से अलग रहते थे। इस नवीन धर्म में सामाजिक रीति-रिवाजों एवं धार्मिक कर्मकांडों के लिए कोई स्थान नहीं था। ब्रह्म समाज ने रंग, वर्ण अथवा मत पर विचार किए बिना मानवमात्र के प्रति प्रेम तथा जीवन की उच्चतम विधि के रूप में मानवता की सेवा पर बल दिया। समाज के सिद्धांतों के मुख्य आधार थे–मानव विवेक, वेद और उपनिषद।

14. ब्रह्म समाज की स्थापना की–
(a) दयानंद सरस्वती (b) स्वामी विवेकानंद
(c) केशवचंद्र सेन (d) राममोहन राय
M.P. P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर–(d)

हिंदू धर्म का पहला सुधार आंदोलन 'ब्रह्म समाज' था, जिस पर आधुनिक पाश्चात्य विचारधारा का बहुत प्रभाव पड़ा था। इसकी स्थापना मूलतः 'ब्रह्म सभा' के रूप में 1828 ई. में राजा राममोहन राय ने की थी। 1830 ई. में लिखे गए प्रन्यासकरण पत्र में उन्होंने बताया कि इस समाज का उद्देश्य शाश्वत, सर्वाधार, अपरिवर्त्य ईश्वर की पूजा है, जो सारे विश्व का कर्ता और रक्षक है। एक नया भवन भी न्यास मंडल (Board of Trustees) को दिया गया, जिसमें मूर्ति पूजा तथा बलि देने की अनुमति नहीं थी। राजा राममोहन राय के उपदेशों का तात्पर्य सभी धर्मों में आपसी एकता का सामंजस्य स्थापित करना था और इसे ईश्वरवादी आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने का श्रेय महर्षि देवेंद्रनाथ टैगोर (1817-1905 ई.) को था। वह इस आंदोलन में 1843 ई. में सम्मिलित हुए और उन्होंने ब्रह्म धर्मावलंबियों को मूर्ति पूजा, तीर्थयात्रा, कर्मकांड और प्रायश्चित इत्यादि से रोका। महर्षि देवेंद्रनाथ टैगोर ने केशवचंद्र सेन को ब्रह्म समाज का आचार्य नियुक्त किया। केशवचंद्र सेन की वाकपटुता और उदारवादी विचारों ने इस आंदोलन को लोकप्रिय बना दिया और शीघ्र ही इसकी शाखाएं बंगाल से बाहर उत्तर प्रदेश और मद्रास में खोल दी गईं।

15. राजा राममोहन राय द्वारा ब्रह्म समाज की स्थापना की गई–
(a) 1816 ई. में (b) 1820 ई. में
(c) 1828 ई. में (d) 1830 ई. में
47th B.P.S.C. (Pre) 2005

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. ब्रह्म समाज के संस्थापक थे–
(a) सी.आर. दास
(b) महात्मा गांधी
(c) राजा राममोहन राय
(d) स्वामी दयानंद सरस्वती
Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2002
M.P.P.C.S. (Pre) 2006
Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2005
Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2007

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

17. राममोहन राय को राजा उपाधि किसने दी थी?

(a) लॉर्ड विलियम बेंटिक ने

(b) अकबर II ने

(c) ब्रह्म समाज के अनुयायियों ने

(d) सती प्रथा का विरोध करने वाले बुद्धिजीवियों ने

U.P.P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर–(b)

मुगल बादशाह अकबर द्वितीय (II) ने राममोहन राय को 'राजा' की उपाधि के साथ अपने दूत के रूप में 1830 ई. में तत्कालीन ब्रिटिश सम्राट विलियम चतुर्थ के दरबार में भेजा था। राय को इंग्लैंड में सम्राट से मुगल बादशाह अकबर द्वितीय को मिलने वाली पेंशन की मात्रा बढ़ाने पर बातचीत करनी थी। इंग्लैंड के ब्रिस्टल में ही 27 सितंबर, 1833 को राजा राममोहन राय की मृत्यु हो गई, जहां उनकी समाधि स्थापित है।

18. राममोहन राय को 'राजा' की उपाधि से किसने विभूषित किया?

(a) औरंगजेब

(b) रॉबर्ट क्लाइव

(c) महात्मा गांधी

(d) मुगल सम्राट अकबर द्वितीय

M.P. P.C.S. (Pre.) 2017

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. राजा राममोहन राय की समाधि है–

(a) कोलकाता में (b) पटना में

(c) ब्रिस्टल, इंग्लैंड में। (d) कनाडा में

Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

20. निम्नलिखित पर विचार कीजिए–

1. कलकत्ता यूनिटेरियन कमेटी
2. टेबरनेकल ऑफ न्यू डिस्पेंसेशन
3. इंडियन रिफॉर्म एसोसिएशन

केशवचंद्र सेन का संबंध उपर्युक्त में से किसकी/किनकी स्थापना से है?

(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2 और 3

(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

I.A.S. (Pre) 2016

उत्तर–(b)

केशवचंद्र सेन महान समाज सुधारक तथा राष्ट्रवादी व्यक्ति थे। केशवचंद्र का जन्म 19 नवंबर, 1838 को एक बंगाली परिवार में हुआ था। वे 1857 ई. में ब्रह्म समाज में सम्मिलित हुए। 24 जनवरी, 1868 को केशवचंद्र सेन ने 'टेबरनेकल ऑफ न्यू डिस्पेंसेशन' नामक संघ की स्थापना की। 1870 ई. में केशवचंद्र सेन ने हिंदू पुनर्रचना के प्रवक्ता के रूप में इंग्लैंड की यात्रा की। 1870 ई. में इंग्लैंड से वापस लौटने पर केशवचंद्र सेन ने 29 अक्टूबर, 1870 को 'इंडियन रिफॉर्म एसोसिएशन' नामक संस्था का गठन किया। इसकी सदस्यता सभी जाति और धर्म के लोगों के लिए खुली थी। संस्था की ओर से 'सुलभ समाचार' नामक पत्र भी निकाला गया। जबकि 'कलकत्ता यूनिटेरियन कमेटी' का गठन 1823 ई. में राजा राममोहन राय, द्वारकानाथ टैगोर एवं विलियम एडम द्वारा किया गया था।

21. भारतीय ब्रह्म समाज के संस्थापक थे–

(a) देवेंद्रनाथ टैगोर (b) ईश्वरचंद्र विद्यासागर

(c) केशवचंद्र सेन (d) राजा राममोहन राय

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains) 2008

U.P. U.D.A./L.D.A. (Spl.) (Pre) 2010

U.P. U.D.A./L.D.A. (Spl.) (Mains) 2010

उत्तर–(c)

भारतीय ब्रह्म समाज के संस्थापक केशवचंद्र सेन थे। देवेंद्रनाथ ने 1865 ई. में केशवचंद्र सेन से आचार्य की उपाधि छीन ली। फलस्वरूप केशवचंद्र सेन मौलिक ब्रह्म समाज से अलग हो गए और देवेंद्रनाथ टैगोर के तहत समाज की मूल शाखा ने स्वयं को 'आदि ब्रह्म समाज' के नाम से पुकारा। आचार्य केशवचंद्र सेन के नेतृत्व वाले गुट ने अपने को 'भारतीय ब्रह्म समाज' या 'नवीन ब्रह्म समाज' (नव विधान) का नाम दिया। 1878 ई. में 'नवीन ब्रह्म समाज' में पुनः फूट पड़ी, जब केशवचंद्र सेन द्वारा अपनी 13 वर्षीय पुत्री का विवाह कूच बिहार के राजा से किए जाने के विरोध में आनंद मोहन बोस एवं शिवनाथ शास्त्री द्वारा 'साधारण ब्रह्म समाज' की स्थापना की गई।

नोट : 20 अगस्त, 1828 को राजा राममोहन राय ने फेरंजी कमल बोस के मकान (जो इस हेतु किराए पर लिया गया था) में ब्रह्म समाज की स्थापना की थी। ताराचंद्र चक्रवर्ती इसके प्रथम सचिव थे। देवेंद्रनाथ टैगोर इस समाज में 1843 ई. में तथा केशवचंद्र सेन 1857 ई. में सम्मिलित हुए। देवेंद्रनाथ टैगोर एवं केशवचंद्र सेन के मध्य वैचारिक मतभेद होने पर जब 11 नवंबर, 1866 को केशवचंद्र सेन ने औपचारिक रूप से पृथक ब्रह्म समाज का गठन किया, तो इसका नामकरण 'भारतीय ब्रह्म समाज' (Brahmo Samaj of India) किया गया। जबकि पूर्व स्थापित ब्रह्म समाज को 'आदि ब्रह्म समाज' के नाम से जाना गया। ब्रह्म समाज की मूल वेबसाइट www. the brahmosamaj.net, गजेटियर ऑफ इंडिया (Vol-II : इतिहास एवं संस्कृति) एवं मैकमिलन प्रकाशित 'भारत का सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक इतिहास'

Scanned with OKEN Scanner

(लेखक- पुरी,दास, चोपड़ा) में ये तथ्य दर्शित हैं। बाद में इतिहास लेखन के दौरान प्रख्यात इतिहासविदों प्रो. बी.एल. ग्रोवर एवं प्रो. आर.एल. शुक्ल आदि ने आधुनिक भारतीय इतिहास की अपनी पुस्तकों में पता नहीं क्यों केशवचंद्र सेन के नवीन ब्रह्म समाज को **'आदि ब्रह्म समाज'** बताया। प्रख्यात इतिहासकारों द्वारा यह प्रस्तुत किए जाने के कारण अन्य पुस्तकों में यही तथ्य अपनाए गए और प्राय: परीक्षा संस्थाओं ने भी अपने प्रश्नों में आदि ब्रह्म समाज के संस्थापक के रूप में केशवचंद्र सेन को उत्तर के रूप में माना, जबकि वास्तविक तथ्य इसके ठीक उलट है। अर्थात् केशवचंद्र सेन का नवीन ब्रह्म समाज, भारतीय ब्रह्म समाज है और देवेंद्रनाथ टैगोर के नेतृत्व वाला मूल ब्रह्म समाज, आदि ब्रह्म समाज है।

22. आदि ब्रह्म समाज की स्थापना किसने की?

(a) देवेंद्रनाथ टैगोर (b) केशवचंद्र सेन
(c) राजा राममोहन राय (d) रबींद्रनाथ टैगोर

M.P.P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

23. ब्रह्म समाज का सिद्धांत आधारित है—

(a) नास्तिकता पर (b) अद्वैतवाद पर
(c) एकदेववाद पर (d) बहुदेववाद पर

U.P. P.C.S. (Pre) 1999
U.P. P.C.S. (Pre) 2005

उत्तर—(c)

1828 ई. में राजा राममोहन राय ने ब्रह्म समाज की नींव डाली। ब्रह्म समाज की स्थापना का उद्देश्य था- एकेश्वरवाद की उपासना, मूर्ति पूजा का विरोध तथा अवतारवाद का खंडन। ब्रह्म समाज ने सार्वभौम ईश्वर की उपासना पर बल दिया।

24. राजा राममोहन राय ने निम्न में किसका विरोध नहीं किया था?

(a) बाल विवाह (b) सती प्रथा
(c) पाश्चात्य शिक्षा (d) मूर्ति पूजा

U.P. P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर—(c)

शिक्षा के क्षेत्र में राजा राममोहन राय अंग्रेजी शिक्षा के पक्षधर थे। उनके अनुसार, एक उदारवादी पाश्चात्य शिक्षा ही अज्ञान के अंधकार से हमें निकाल सकती है और भारतीयों को देश के प्रशासन में भाग दिला सकती है।

25. निम्न में से किसे राममोहन राय के धार्मिक/सामाजिक विचारों के विरोध में प्रारंभ किया गया?

(a) दिग्दर्शन (b) समाचार चन्द्रिका
(c) संवाद कौमुदी (d) बंगाल गजट

U.P. P.C.S. (Mains) 2017

उत्तर—(b)

राममोहन राय के धार्मिक/सामाजिक विचारों के विरोध में भवानीचरण बंधोपाध्याय ने 1822 ई. में समाचार चन्द्रिका (पत्रिका) का प्रकाशन शुरू किया। इससे पूर्व वे संवाद कौमुदी के संपादक थे।

26. ब्रह्म समाज के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

1. इसने मूर्ति पूजा का विरोध किया।
2. धार्मिक ग्रंथों की व्याख्या के लिए इसने पुरोहित वर्ग को अस्वीकारा।
3. इसने इस सिद्धांत का प्रचार किया कि वेद त्रुटिहीन हैं।

निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिए—

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

I.A.S. (Pre) 2012

उत्तर—(b)

ब्रह्म समाज की स्थापना राजा राममोहन राय द्वारा 1828 ई. में की गई। इसके प्रमुख सिद्धांत निम्न थे-
(i) एकेश्वरवाद पर विश्वास एवं हिंदू धर्म को कुरीतियों से मुक्त कराना।
(ii) मूर्ति पूजा का विरोध तथा पुरोहितों के वर्चस्व पर कुठाराघात।
(iii) स्त्रियों की स्थिति को सुधारना।
वेदों को त्रुटिहीन मानने वाले स्वामी दयानंद सरस्वती थे। इस प्रकार कथन 1 और 2 ब्रह्म समाज के संदर्भ में सही हैं, जबकि कथन 3 सही नहीं है।

27. उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में 'नव हिंदूवाद' (Neo-Hinduism) के सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि थे—

(a) रामकृष्ण परमहंस (b) स्वामी विवेकानंद
(c) बंकिमचंद्र चटर्जी (d) राजा राममोहन राय

41st B.P.S.C. (Pre) 1996

उत्तर—(b)

रामकृष्ण परमहंस की शिक्षाओं की व्याख्या को साकार करने का श्रेय स्वामी विवेकानंद (1863-1902 ई.) को है। उन्होंने इस शिक्षा का साधारण भाषा में वर्णन किया। स्वामी विवेकानंद इस नवीन हिंदू धर्म (Neo-Hinduism) के प्रचारक के रूप में उभरे। 1893 ई. में वे शिकागो गए जहां उन्होंने 'वर्ल्ड पार्लियामेंट ऑफ रिलीजन' (विश्व धर्म संसद) में अपना सुप्रसिद्ध भाषण दिया। इस भाषण से उन्होंने पश्चिमी संसार के सामने पहली बार भारत की संस्कृति की महत्ता को प्रभावकारी तरीके से प्रस्तुत किया। उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में स्वामी विवेकानंद नव हिंदूवाद के सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि थे।

Scanned with OKEN Scanner

28. विवेकानंद ने शिकागो में आयोजित 'पार्लियामेंट ऑफ वर्ल्ड्स रिलीजन्स' में भाग लिया था–

(a) 1872 में (b) 1890 में

(c) 1893 में (d) 1901 में

U.P. P.C.S. (Pre) 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

29. स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में आयोजित 'विश्व धर्म सम्मेलन' में अपना भाषण कब दिया था?

(a) 1863 (b) 1892

(c) 1881 (d) 1894

M.P.P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(*)

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने प्रश्न को गलत मानते हुए, इसके लिए बोनस अंक दिया है। सही उत्तर के लिए उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

30. वर्ष 1893 में शिकागो में आयोजित अंतरराष्ट्रीय धर्मों की संसद से किसका नाम जुड़ा है?

(a) स्वामी दयानंद सरस्वती (b) रामकृष्ण परमहंस

(c) स्वामी विवेकानंद (d) राममोहन राय

M.P. P.C.S. (Pre) 1993

U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains) 2004

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

31. किस वर्ष स्वामी विवेकानंद ने 'विश्व धर्म संसद' में भाग लिया?

(a) 1893 (b) 1895

(c) 1897 (d) 1899

U.P. P.C.S. (Spl.) (Pre) 2008

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

32. इनमें से किसने 1893 में शिकागो में आयोजित धर्म संसद में भाग लिया?

(a) दयानंद सरस्वती (b) स्वामी विवेकानंद

(c) महात्मा गांधी (d) राजा राममोहन राय

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C (Pre) 2020

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

33. व्यावहारिक वेदांत के प्रतिपादक कौन हैं?

(a) दयानंद (b) राजा राममोहन राय

(c) गांधी (d) विवेकानंद

Chhattisgarh P.C.S. (Pre). 2019

उत्तर–(d)

व्यावहारिक वेदांत (Practical Vedanta) के प्रतिपादक स्वामी विवेकानंद थे। विवेकानंद के अनुसार, एक धर्म के रूप में वेदांत को गहन रूप से व्यावहारिक होना चाहिए ताकि हम अपने जीवन के प्रत्येक भाग में इसका पालन करने में सक्षम हो सकें। विवेकानंद ने व्यावहारिक वेदांत पर सर्वप्रथम अपना भाषण 10 नवंबर, 1896 को लंदन में दिया था।

34. इनमें से किस प्रख्यात समाज सुधारक ने ज्ञानयोग, कर्मयोग तथा राजयोग नामक पुस्तकें लिखीं?

(a) स्वामी विवेकानंद (b) रानाडे

(c) राजा राममोहन राय (d) रामकृष्ण परमहंस

U.P. Lower Sub. (Pre) 2015

उत्तर–(a)

स्वामी विवेकानंद ने ज्ञानयोग, कर्मयोग तथा राजयोग नामक पुस्तकें लिखीं। 1893 ई. में वे शिकागो गए, जहां उन्होंने 'वर्ल्ड पार्लियामेंट ऑफ रिलीजन्स' (विश्व धर्म संसद) में अपना सुप्रसिद्ध भाषण दिया। 1897 ई. में इन्होंने 'रामकृष्ण मिशन' की स्थापना की।

35. रामकृष्ण मिशन की स्थापना किसने की थी?

(a) रामकृष्ण परमहंस (b) एम.एन. दासगुप्ता

(c) स्वामी विवेकानंद (d) स्वामी रंगनाथनंद

M.P. P.C.S. (Pre) 1996

U.P. P.C.S. (Mains) 2004

उत्तर–(c)

रामकृष्ण मिशन की स्थापना स्वामी विवेकानंद ने 1897 ई. में की (1909 में सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के अंतर्गत इसे विधिवत औपचारिक रूप से पंजीकृत कराया गया)। रामकृष्ण मिशन का मुख्यालय हावड़ा के बेलूर में खोला गया।

36. रामकृष्ण मिशन किनके द्वारा प्रारंभ किया गया?

(a) रामकृष्ण परमहंस (b) दयानंद सरस्वती

(c) स्वामी विवेकानंद (d) राजा राममोहन राय

M.P. P.C.S. (Pre) 1999

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

37. 'रामकृष्ण मिशन' की स्थापना 1897 ई. में किसने की थी?

(a) विवेकानंद (b) रामकृष्ण परमहंस

Scanned with OKEN Scanner

(c) गोपाल कृष्ण गोखले (d) श्यामजी कृष्ण वर्मा

Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

38. स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, वर्ष–

(a) 1861 में (b) 1891 में

(c) 1893 में (d) 1897 में

41st B.P.S.C. (Pre) 1996

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

39. स्वामी विवेकानंद द्वारा रामकृष्ण मिशन की स्थापना की गई–

(a) 1886 में (b) 1892 में

(c) 1898 में (d) 1897 में

R.A.S./R.T.S. (Pre) (Re-Exam) 2013

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

40. शारदामणि कौन थीं?

(a) राजा राममोहन राय की पत्नी

(b) रामकृष्ण परमहंस की पत्नी

(c) विवेकानंद की मां

(d) केशवचंद्र सेन की पुत्री

47th B.P.S.C. (Pre) 2005

उत्तर–(b)

शारदामणि मुखोपाध्याय जिन्हें शारदा देवी के नाम से जाना जाता है, का विवाह 23 वर्षीय रामकृष्ण परमहंस से 5 वर्ष की उम्र में 1859 ई. में हुआ था।

41. ''ईश्वर के बारे में सोचने के लिए मेरे पास वक्त नहीं है, क्योंकि अभी इस धरती पर ही बहुत काम किया जाना है,'' उपर्युक्त कथन किसका है?

(a) स्वामी विवेकानंद

(b) स्वामी दयानंद सरस्वती

(c) स्वामी रामकृष्ण परमहंस

(d) स्वामी ईश्वरचंद्र विद्यासागर

U.P. R.O./A.R.O. (Re-Exam) (Pre) 2016

उत्तर–(d)

ईश्वर है या नहीं यह पूछे जाने पर विद्यासागर का जवाब था- ''ईश्वर के बारे में सोचने के लिए मेरे पास वक्त नहीं है, क्योंकि अभी इस धरती पर ही बहुत काम किया जाना है।''

42. 'ब्रिटिश साम्राज्य पूरी तरह से सड़ चुका है, हर तरह से भ्रष्ट, अत्याचारी व हीन है।' यह कथन किनके द्वारा किया गया था?

(a) सिस्टर निवेदिता (b) सावित्रीबाई फुले

(c) एनी बेसेंट (d) बाल गंगाधर तिलक

M.P.P.C.S. (Pre) 2018

उत्तर–(a)

सिस्टर निवेदिता (विवेकानंद की शिष्या) ने कहा था कि 'ब्रिटिश साम्राज्य पूरी तरह से भ्रष्ट, अत्याचारी व हीन है।'

43. दयानंद सरस्वती द्वारा स्थापित है–

(a) ब्रह्म समाज (b) आर्य समाज

(c) प्रार्थना समाज (d) बहुजन समाज

43rd B.P.S.C. (Pre) 1999

उत्तर–(b)

दयानंद सरस्वती (मूलशंकर) ने अप्रैल, 1875 ई. में बंबई में आर्य समाज की स्थापना की, जिसका मुख्य उद्देश्य प्राचीन वैदिक धर्म की शुद्ध रूप से पुनः स्थापना करना था। आर्य समाज आंदोलन का प्रसार प्रायः पाश्चात्य प्रभावों की प्रतिक्रिया के रूप में हुआ। 1877 ई. में आर्य समाज का मुख्यालय लाहौर में स्थापित किया गया, जिसके उपरांत आर्य समाज का अधिक प्रचार हुआ।

44. आर्य समाज की स्थापना का वर्ष है–

(a) 1865 (b) 1870

(c) 1875 (d) 1880

U.P. Lower sub. (Pre) 2009

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

45. 'आर्य समाज' की स्थापना किसने की?

(a) रानाडे (b) दयानंद

(c) दयानंद सरस्वती (d) स्वामी विवेकानंद

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C. (Pre) (Re-Exam) 2020

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

46. वेदों के पुनरुत्थान का श्रेय किसे है?

(a) रामकृष्ण परमहंस

(b) रामानुज

(c) स्वामी दयानंद सरस्वती

(d) स्वामी विवेकानंद

U.P. P.C.S. (Pre) 1995

उत्तर–(c)

Scanned with OKEN Scanner

आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती शुद्ध वैदिक परंपरा में विश्वास करते थे। उन्होंने 'वेदों की ओर लौटो' का नारा दिया। उत्तर वैदिक काल से आज तक सभी अन्य मतों को उन्होंने पाखंड या झूठे धर्म की संज्ञा दी। 1867 ई. में उन्होंने झूठे धर्मों का खंडन करने के लिए 'पाखंड खंडिनी पताका' लहराई। स्वामी दयानंद सरस्वती वेदों को 'भारत के आधार स्तंभ' के रूप में देखते थे। उनका विश्वास था कि हिंदू धर्म और वेद जिस पर भारत का पुरातन समाज टिका था, शाश्वत, अपरिवर्तनीय, धर्मातीत तथा दैवीय हैं। इसलिए उन्होंने 'वेदों की ओर लौटो' तथा 'वेद ही समस्त ज्ञान के स्रोत हैं' का नारा दिया। स्वामी दयानंद को उनके धार्मिक सुधार प्रयासों के कारण 'भारत का मार्टिन लूथर किंग' कहा जाता है।

47. 'वेदों की ओर चलो' किसने कहा था?

(a) राजा राममोहन राय (b) दयानंद सरस्वती
(c) विवेकानंद (d) रामकृष्ण परमहंस

M.P. P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

48. निम्न में से कौन 'भारत का मार्टिन लूथर' कहलाता है?

(a) स्वामी दयानंद सरस्वती (b) राजा राममोहन राय
(c) स्वामी विवेकानंद (d) स्वामी श्रद्धानंद

U.P. P.C.S. (Mains) 2005
Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2007

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

49. 'सत्यार्थ प्रकाश' की रचना की गई थी–

(a) राजा राममोहन राय द्वारा
(b) महात्मा गांधी द्वारा
(c) स्वामी विवेकानंद द्वारा
(d) स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा

47th B.P.S.C. (Pre) 2005
Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2006
U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2013

उत्तर–(d)

मूलशंकर (स्वामी दयानंद) का जन्म 1824 ई. में गुजरात की मोरबी रियासत (कठियावाड़ क्षेत्र) के एक ब्राह्मण कुल में हुआ था। उन्होंने 1860 ई. में मथुरा में स्वामी विरजानंद जी से वेदों के शुद्ध अर्थ तथा वैदिक धर्म के प्रति अगाध श्रद्धा प्राप्त की। 1867 ई. में उन्होंने 'पाखंड खंडिनी पताका' लहराई। 1875 ई. में उन्होंने बंबई में आर्य समाज की स्थापना की। उनके विचार उनकी प्रसिद्ध पुस्तक 'सत्यार्थ प्रकाश' में वर्णित हैं। उनकी अन्य रचनाओं में पाखंड खंडन, वेदभाष्य भूमिका, ऋग्वेद भाष्य, अद्वैत मत खंडन, पंच महायज्ञ विधि तथा वल्लभाचार्य मत खंडन प्रमुख हैं।

50. 'सत्यार्थ प्रकाश' किसके द्वारा लिखा गया है?

(a) राजा राममोहन राय (b) बाल गंगाधर तिलक
(c) स्वामी विवेकानंद (d) दयानंद सरस्वती

U.P. P.C.S. (Mains) 2017

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

51. 'सत्यार्थ प्रकाश' के लेखक हैं-

(a) स्वामी विवेकानंद (b) स्वामी निश्चलानंद
(c) स्वामी चिन्मयानंद (d) स्वामी हरिदास
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर–(e)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

52. 'सत्यार्थ प्रकाश' पवित्र पुस्तक है–

(a) आर्य समाज की (b) ब्रह्म समाज की
(c) थियोसोफिकल सोसाइटी की (d) प्रार्थना समाज की

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2007

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

53. पुस्तक 'सत्यार्थ प्रकाश' के लेखक कौन थे?

(a) स्वामी श्रद्धानंद (b) महर्षि डी.के. कर्वे
(c) स्वामी दयानंद सरस्वती (d) पं. श्रीराम शर्मा, आचार्य

M.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

54. निम्नलिखित संगठनों में से किसने शुद्धि आंदोलन का समर्थन किया?

(a) आर्य समाज (b) ब्रह्म समाज
(c) देव समाज (d) प्रार्थना समाज

U.P. P.C.S (Pre) 2010

उत्तर–(a)

स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा 1875 ई. में बंबई में स्थापित आर्य समाज ने धर्म परिवर्तित हिंदुओं की हिंदू धर्म में वापसी हेतु शुद्धि आंदोलन का समर्थन किया था।

55. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) के रूप में दिया गया है।

कथन (A) : आर्य समाज आंदोलन ने हिंदुओं में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता प्रदान किया।

Scanned with OKEN Scanner

कारण (R) : आर्य समाज आंदोलन ने श्वेत जाति की श्रेष्ठता में विश्वास की जड़ों को कमजोर किया।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

U.P. B.E.O. (Pre) 2019

उत्तर-(b)

आर्य समाज की स्थापना दयानंद सरस्वती (मूलशंकर) के द्वारा अप्रैल, 1875 में बंबई में की गई। इसका मुख्य उद्देश्य प्राचीन वैदिक धर्म की शुद्ध रूप से पुनः स्थापना करना था तथा भारत को धार्मिक, सामाजिक व राजनीतिक रूप से एक सूत्र में बांधने का प्रयत्न करना था। इसके साथ-साथ हिंदुओं में आत्मविश्वास एवं आत्मनिर्भरता प्रदान करना था। आर्य समाज ने हिंदू श्रेष्ठता के सिद्धांत को स्वीकार किया एवं श्वेत जातीय श्रेष्ठता के सिद्धांत को नकारा। इस प्रकार कथन (A) एवं कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है। अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

56. निम्न में से किसने कहा था, "अच्छा शासन स्वशासन का स्थानापन्न नहीं है"?

(a) लोकमान्य तिलक (b) स्वामी विवेकानंद

(c) स्वामी दयानंद (d) रबींद्रनाथ टैगोर

Uttranchal P.C.S. (Pre) 2005

उत्तर—(c)

स्वामी दयानंद सरस्वती विदेशी दासता को एक अभिशाप मानते थे और स्वतंत्रता एवं लोकतंत्र के हिमायती थे। उनके आर्थिक विचारों में स्वदेशी का विशेष महत्व था। राजनीतिक क्षेत्र में वे कहते थे कि "बुरे से बुरा देशी राज्य अच्छे से अच्छे विदेशी राज्य से अच्छा है।"

57. निम्न में से किस व्यक्ति ने सर्वप्रथम 'स्वराज्य' शब्द का प्रयोग किया और हिंदी को राष्ट्रभाषा माना?

(a) राजा राममोहन राय

(b) स्वामी दयानंद

(c) स्वामी विवेकानंद

(d) बाल गंगाधर तिलक

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1999

उत्तर—(b)

सर्वप्रथम स्वामी दयानंद सरस्वती ने 'स्वराज्य' शब्द का प्रयोग किया और हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार किया।

58. निम्नलिखित को कालानुक्रम में रखिए—

1. तुलसीदास **2. राजा राममोहन राय**

3. स्वामी विवेकानंद **4. दयानंद सरस्वती**

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 1, 2, 4, 3

(c) 2, 1, 3, 4 (d) 2, 3, 4, 1

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2007

उत्तर—(b)

तुलसीदास का काल 16वीं शती ई., राजा राममोहन राय का 1772-1833 ई., दयानंद सरस्वती का 1824-1883 ई. तथा विवेकानंद का 1863-1902 ई. था।

59. निम्नलिखित में से किसने महाराष्ट्र में 'प्रार्थना समाज' की स्थापना की थी?

(a) आत्माराम पांडुरंग ने (b) ज्योतिबा फुले ने

(c) एम.जी. चंद्राकर ने (d) एम.जी. रानाडे ने

U.P.U.D.A./L.D.A. (Mains) 2010

उत्तर—(a)

प्रार्थना समाज की स्थापना 1867 ई. में बंबई में आचार्य केशवचंद्र सेन की प्रेरणा से आत्माराम पांडुरंग द्वारा की गई थी। महादेव गोविंद रानाडे इस संस्था से 1869 ई. में जुड़े तथा इसके मुख्य संचालक बने। इस संस्था का प्रमुख उद्देश्य जाति प्रथा का विरोध, स्त्री-पुरुष की विवाह की आयु में वृद्धि, विधवा विवाह एवं स्त्री शिक्षा को प्रोत्साहन देना था। रानाडे का सामाजिक सुधार आंदोलन 19वीं शताब्दी के अंत तक सफलतापूर्वक जारी रहा।

60. 'प्रार्थना समाज' संस्था के संस्थापक कौन थे?

(a) दयानंद सरस्वती (b) राजा राममोहन राय

(c) स्वामी सहजानंद (d) महादेव गोविंद रानाडे

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2004

उत्तर—(*)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

61. 'प्रार्थना समाज' के संस्थापक कौन थे?

(a) आत्माराम पांडुरंग (b) तिलक

(c) एनी बेसेंट (d) रासबिहारी घोष

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

62. **महाराष्ट्र में प्रार्थना समाज का मुख्य संचालक कौन था?**
(a) आर.जी. भंडारकर (b) एम.जी. रानाडे
(c) पंडिता रमाबाई (d) गोपाल गणेश आगरकर
U.P. Lower Sub. (Pre) 2004

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

63. **'देव समाज' का संस्थापक निम्न में से कौन था?**
(a) वल्लभभाई पटेल (b) दादाभाई नौरोजी
(c) शिवनारायण अग्निहोत्री (d) रामकृष्ण परमहंस
U.P. P.C.S. (Pre) 2002
U.P. Lower Sub. (Pre) 2002
U.P. Lower Sub. (Pre) 2003

उत्तर–(c)

'देव समाज' की स्थापना 1887 ई. में शिवनारायण अग्निहोत्री ने लाहौर में की थी। ये ब्रह्म समाज के पूर्व अनुयायी थे। इस समाज के उपदेशों को 'देवशास्त्र' नामक एक पुस्तक में संकलित किया गया है। इसमें प्रभु की सत्ता, आत्मा की अमरता, गुरु की महत्ता और सत्कार्यों की आवश्यकता पर बल दिया गया है। वर्ष 1913 के बाद शिवनारायण अग्निहोत्री द्वारा अपने द्वितीय पुत्र देवानंद को आध्यात्मिक उत्तराधिकारी नियुक्त करने के बाद इस आंदोलन की सार्वजनिक लोकप्रियता समाप्त हो गई।

64. **किसने 1873 ई. में 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना की?**
(a) गोपाल कृष्ण गोखले (b) ज्योतिबा फुले
(c) शिवनाथ शास्त्री (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
40th B.P.S.C. (Pre) 1995
U.P. P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर–(b)

1873 ई. में सत्यशोधक समाज की स्थापना ज्योतिबा फुले ने की थी। इनका जन्म 1827 ई. में एक माली के घर हुआ था। इन्होंने शक्तिशाली गैर-ब्राह्मण आंदोलन का संचालन किया। इन्होंने अपनी पुस्तक 'गुलामगीरी' एवं अपने संगठन 'सत्यशोधक समाज' के द्वारा पाखंडी ब्राह्मणों एवं उनके अवसरवादी धर्म ग्रंथों से निम्न जातियों की रक्षा की आवश्यकता पर बल दिया।

65. **'सत्यशोधक समाज' की स्थापना किसने की थी?**
(a) बी.आर. अम्बेडकर (b) संतराम
(c) ज्योतिबा फुले (d) भास्कर राव जाधव
Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

66. **'सत्यशोधक समाज' की स्थापना किसने की?**
(a) बी.आर. अम्बेडकर (b) केशवचंद्र सेन
(c) पंडिता रमाबाई (d) ज्योतिबा फुले
Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2018

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

67. **'गुलामगीरी' का लेखक कौन था?**
(a) बी.आर. अम्बेडकर (b) ज्योतिबा फुले
(c) महात्मा गांधी (d) पेरियार
U.P. P.C.S. (Pre) 2000

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

68. **सत्यशोधक आंदोलन चलाया था–**
(a) छत्रपति शाहूजी महाराज ने
(b) बी.आर. अम्बेडकर ने
(c) ज्योतिबाराव फुले ने
(d) टी.एन. नायर ने
U.P.P.C.S. (Mains) 2009

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

69. **महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा किस संगठन की स्थापना की गई थी?**
(a) गोपाल मंडली (b) श्री नारायण सभा
(c) सत्यशोधक समाज (d) महाजन सभा
Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Mains) 2007

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

70. **पिछड़े वर्गों का उत्थान किसका मुख्य कार्यक्रम था?**
(a) प्रार्थना समाज (b) सत्यशोधक समाज
(c) आर्य समाज (d) रामकृष्ण मिशन
I.A.S. (Pre) 1993

उत्तर–(b)

पिछड़े वर्गों का उत्थान सत्यशोधक समाज का मुख्य कार्यक्रम था। इसकी स्थापना 1873 ई. में ज्योतिबा फुले ने की थी। यह आंदोलन दलितों और निम्न जाति के लोगों के कल्याण के लिए चलाया गया। अपनी ब्राह्मण-विरोधी गतिविधियों का संगठित रूप में प्रसार करने के लिए उन्होंने आलोचनात्मक ग्रंथों–'सार्वजनिक सत्य धर्म पुस्तक' तथा 'गुलामगीरी' की रचना की।

Scanned with OKEN Scanner

71. 'सत्यशोधक समाज' के संस्थापक कौन थे, जिनका प्राथमिक जोर सत्य की खोज पर था?

(a) एम. जी. रानाडे (b) राजा राममोहन राय

(c) ताराबाई शिन्दे (d) ज्योतिबा फुले

U.P.P.C.S. (Pre) 2022

उत्तर-(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

72. सत्यशोधक समाज ने संगठित किया–

(a) बिहार में आदिवासियों के उन्नयन का एक आंदोलन

(b) गुजरात में मंदिर-प्रवेश का एक आंदोलन

(c) महाराष्ट्र में एक जाति-विरोधी आंदोलन

(d) पंजाब में एक किसान आंदोलन

I.A.S. (Pre) 2016

उत्तर–(c)

1873 ई. में सत्यशोधक समाज की स्थापना ज्योतिबा फुले ने पुणे (महाराष्ट्र) में की थी। सत्यशोधक समाज से पहले भी इस देश में सामाजिक और धार्मिक सुधार आंदोलन चले, किंतु सत्यशोधक समाज इन सबसे अलग एवं विशिष्ट है। इसमें ऊंचे वर्णों एवं श्रेणियों के प्रति पिछड़ी जातियों का विद्रोह प्रमुख था।

73. ज्योतिबा फुले संबंधित थे–

(a) श्रमिक संघ आंदोलन से

(b) कृषक आंदोलन से

(c) सविनय अवज्ञा आंदोलन से

(d) जाति-विरोधी आंदोलन से

U.P.P.C.S. (Pre) 2022

उत्तर-(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

74. 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना किसने की थी?

(a) दयानंद सरस्वती (b) ज्योतिबा फुले

(c) गांधीजी (d) डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

75. वह बंगाली नेता कौन था, जिसने सामाजिक-धार्मिक सुधारों का विरोध किया और रूढ़िवादिता का समर्थन किया?

(a) राधाकांत देव (b) नेमई साधन बोस

(c) हेमचंद्र विश्वास (d) हेमचंद्र डे

U.P. Lower Sub. (Pre) 2008

उत्तर–(a)

राजा राधाकांत देव ने 1830 ई. में बंगाल में 'धर्म सभा' की स्थापना कर सामाजिक-धार्मिक सुधारों का विरोध किया और रूढ़िवादिता का समर्थन किया।

76. राधास्वामी सत्संग के संस्थापक कौन थे?

(a) हरिदास स्वामी (b) शिवदयाल साहब

(c) शिवनारायण अग्निहोत्री (d) स्वामी श्रद्धानंद

U.P. P.C.S. (Pre) 2002

उत्तर–(b)

राधास्वामी सत्संग आंदोलन की स्थापना 1861 ई. में आगरा के एक महाजन या बैंकर तुलसीराम, जो शिवदयाल साहब या स्वामी जी महाराज के नाम से लोकप्रिय थे, ने की। राधास्वामी मत को मानने वाले लोग एक ही परमेश्वर, गुरु की महत्ता, संतों का साथ (सत्संग) तथा साधारण सामाजिक जीवन में विश्वास करते थे। उनका मानना था कि आध्यात्मिक उपलब्धियों के लिए सांसारिक जीवन का परित्याग आवश्यक है तथा यह भी कि सभी जन सच्चे हैं। यह पंथ मंदिरों-तीर्थों अथवा पवित्र स्थलों को कोई महत्व नहीं देता था। धर्म और दान के कार्य, सेवा और प्रार्थना की भावना इसके आवश्यक कर्तव्य थे।

77. महाराष्ट्र के किस सुधारक को 'लोकहितवादी' कहा जाता था?

(a) एम.जी. रानाडे (b) गोपाल कृष्ण गोखले

(c) पंडिता रमाबाई (d) गोपाल हरि देशमुख

M.P. P.C.S. (Pre) 1995

उत्तर–(d)

महाराष्ट्र के समाज सुधारक गोपाल हरि देशमुख (1823-92 ई.) 'लोकहितवादी' के रूप में प्रख्यात थे। पेशे की दृष्टि से न्यायाधीश गोपाल हरि 1880 ई. में गवर्नर जनरल की काउंसिल के सदस्य भी रहे। ये महान समाज सुधारक तथा बौद्धिक चिंतक थे। इन्होंने बौद्धिक दृष्टिकोण का परिष्कार करने तथा देश की समस्याओं का समाधान करने के लिए लोगों के सम्मुख आत्मनिर्भर बनने तथा पश्चिमी शिक्षा की आवश्यकता का पक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने स्त्री आंदोलन का समर्थन करते हुए स्त्री शिक्षा के प्रसार का पक्ष लिया। ये राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता के समर्थक के रूप में हाथ से बुने हुए खादी के वस्त्र पहनकर 1876 ई. में दिल्ली दरबार में भी उपस्थित हुए थे।

78. 'लोकहितवादी' उपनाम से किसे जाना जाता था?

(a) गोपाल हरि देशमुख को (b) महादेव गोविंद रानाडे को

(c) ज्योतिबा फुले को (d) बाल गंगाधर तिलक को

U.P. P.C.S. (Pre) (Re-Exam) 2015

उत्तर–(a)

Scanned with OKEN Scanner

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

79. **महाराष्ट्र में विधवा पुनर्विवाह हेतु अभियान का नेतृत्व किया–**
(a) विष्णु परशुराम पंडित ने (b) बी.एम. मालाबारी ने
(c) गोपाल हरि देशमुख ने (d) दादाभाई नौरोजी ने
U.P. Lower Sub. (Pre) 2013

उत्तर–(a)

महाराष्ट्र में विधवा पुनर्विवाह हेतु प्रथम अभियान का नेतृत्व विष्णु परशुराम पंडित (विष्णु शास्त्री) ने किया। उन्होंने 1850 ई. में 'विडो रिमैरिज एसोसिएशन' की स्थापना की थी और साथ ही विधवा पुनर्विवाह आंदोलन भी चलाया था। बी.एम. मालाबारी बाल विवाह प्रथा को वैधानिक रूप से समाप्त करने के लिए प्रसिद्ध हैं।

80. **19वीं सदी के महानतम पारसी समाज सुधारक थे–**
(a) सर जमशेदजी
(b) सर रुस्तम बहरामजी
(c) नवलजी टाटा
(d) बहरामजी एम. मालाबारी
R.A.S./R.T.S. (Pre) 2010

उत्तर–(d)

19वीं सदी के महानतम पारसी समाज सुधारक बहरामजी एम. मालाबारी थे। उनका जन्म बड़ौदा के पारसी परिवार में 1853 ई. में हुआ था। इन्होंने बाल विवाह के खिलाफ तथा विधवा विवाह के समर्थन में एक परिपत्र का संपादन किया था। 1891 ई. का 'सम्मति आयु अधिनियम' (Age of Consent Act) इन्हीं के प्रयासों से पारित हुआ था।

81. **'दि एज ऑफ कांसेंट एक्ट' किस वर्ष पारित हुआ?**
(a) 1856 (b) 1891
(c) 1881 (d) 1905
Jharkhand P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

82. **उसका 'प्रधान संबल' (Principal Forte) था सामाजिक और धार्मिक सुधार, उसने सामाजिक बुराइयों के निराकरण के लिए विधान निर्माण का सहारा लिया और बाल विवाह, पर्दा प्रथा...के उन्मूलन के लिए अविराम परिश्रम किया, सामाजिक समस्याओं पर राष्ट्रीय स्तर पर विचार-विमर्श को प्रोत्साहित करने हेतु उसने भारतीय राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन का उद्घाटन किया जिसके अधिवेशन बहुत वर्षों तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ-साथ होते रहे, इस उद्धरण में संकेतित व्यक्ति हैं–**
(a) ईश्वरचंद्र विद्यासागर
(b) बहरामजी मेरवानजी मालाबारी
(c) महादेव गोविंद रानाडे
(d) बी.आर. अम्बेडकर
I.A.S. (Pre) 1996

उत्तर–(c)

'भारतीय राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन' की स्थापना 1887 ई. में एम. जी. रानाडे एवं रघुनाथ राव द्वारा की गई थी। इस सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य बहु विवाह, बाल विवाह एवं कुलीनवाद जैसी कुप्रथाओं का समापन करना था। इस सम्मेलन का अधिवेशन कई वर्षों तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ-साथ होता रहा।

83. **निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?**

(संस्था)	(प्रवर्तक)
(a) सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी	- जी. के. गोखले
(b) सोशल सर्विस लीग	- एन.एम. जोशी
(c) सेवा समिति	- एच.एन. कुंजरू
(d) सोशल रिफॉर्म एसोसिएशन	- श्रीराम बाजपेयी

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2018

उत्तर–(d)

सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी वर्ष 1905 में गोपाल कृष्ण गोखले द्वारा, सोशल सर्विस लीग वर्ष 1911 में नारायण मल्हार जोशी, चंदावरकर (पहले अध्यक्ष) द्वारा, सेवा समिति वर्ष 1914 में हृदय नाथ कुंजरू द्वारा तथा बॉम्बे प्रेसीडेंसी सोशल रिफॉर्म एसोसिएशन वर्ष 1903 में देश के तत्कालीन प्रमुख समाज सुधारकों (चंदावरकर, भंडारकर आदि) द्वारा। ज्ञातव्य है कि सोशल रिफॉर्म एसोसिएशन रानाडे के नेशनल कॉन्फ्रेंस (1887) द्वारा स्थापित की गई संस्था थी। इसके पूर्व 1878 ई. में वीरेशलिंगम ने राजमुंद्री सोशल रिफॉर्म एसोसिएशन की स्थापना की थी।

84. **विधवा पुनर्विवाह को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 1871 ई. में राजमुंद्री सोशल रिफॉर्म एसोसिएशन स्थापित किया गया था–**
(a) वीरेशलिंगम द्वारा (b) के. रामकृष्ण पिल्लई द्वारा
(c) के.टी. तेलंग द्वारा (d) गोपालाचारियार द्वारा
R.A.S./R.T.S. (Pre) 2021

उत्तर–(a)

राजमुंद्री विधवा पुनर्विवाह संघ या राजमुंद्री सोशल रिफार्म ऐसोसिएशन की स्थापना 1878 ई. में वीरेशलिंगम पंतुलु द्वारा की गई थी। यद्यपि आयोग ने त्रुटिपूर्ण ढंग से 1871 ई. लिखा है।

85. **भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के समय राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन (नेशनल सोशल कॉन्फ्रेंस) का गठन किया गया था। इसके गठन के लिए उत्तरदायी कारण था–**
(a) बंगाल क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक सुधार ग्रुप/संगठन किसी एक मंच पर एकत्रित होकर व्यापक हित मांग पत्र सरकार के समक्ष प्रस्तुत करना चाहते थे।

Scanned with OKEN Scanner

(b) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अपने कार्यक्रम में सामाजिक सुधारों को नहीं रखना चाहती थी। इसीलिए प्रस्तुत उद्देश्य के लिए उसने अलग से संगठन बनाने का सुझाव दिया।

(c) बहरामजी मालाबारी और एम.जी.रानाडे ने यह निश्चय किया कि देश के समस्त सामाजिक सुधार ग्रुपों को एक संगठन के अंतर्गत लाया जाए।

(d) उपर्युक्त संदर्भ में विकल्प (a),(b) और (c) में दिए गए वक्तव्य में कोई भी सही नहीं है।

I.A.S. (Pre) 2012

उत्तर–(b)

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अपने कार्यक्रम में सामाजिक सुधारों को नहीं रखना चाहती थी। इसीलिए प्रस्तुत उद्देश्य के लिए उसने अलग से संगठन बनाने का सुझाव दिया।

86. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

(1) आर्य समाज की स्थापना 1835 में हुई थी।

(2) लाला लाजपत राय ने आर्य समाज के उस आग्रह का विरोध किया था, जो उसके अपने समाज सुधार कार्यक्रमों के समर्थन में वेदों को आप्त प्रमाण मानने को लेकर था।

(3) केशवचंद्र सेन के नेतृत्व में ब्रह्म समाज ने नारी शिक्षा के लिए आंदोलन चलाया था।

(4) विनोबा भावे ने शरणार्थियों में काम करने के लिए सर्वोदय समाज की स्थापना की थी।

इन कथनों में कौन-कौन से कथन सही हैं?

(a) (1) और (2) (b) (2) और (3)
(c) (2) और (4) (d) (3) और (4)

I.A.S. (Pre) 2001

उत्तर–(d)

आर्य समाज की स्थापना 1835 ई. में नहीं बल्कि अप्रैल, 1875 में बंबई में स्वामी दयानंद सरस्वती ने की थी। लाला लाजपत राय ने वेदों को आप्त प्रमाण मानने का विरोध नहीं किया था। केशवचंद्र सेन के नेतृत्व में ब्रह्म समाज ने नारी शिक्षा के लिए आंदोलन चलाया था। विनोबा भावे ने भारतीयों के जीवन स्तर को उठाने तथा गांधीजी के सिद्धांतों के प्रसार के लिए सर्वोदय समाज की स्थापना की थी। उन्होंने इस समाज के माध्यम से पाकिस्तान से भारत आए शरणार्थियों के लिए भी कार्य किया था। अतः कथन (1) और (2) गलत हैं, जबकि कथन (3) और (4) सही हैं।

87. 1856 में निम्नलिखित कानून पारित हुआ–

(i) धार्मिक असुविधा कानून (ii) सती निषेध रेगुलेशन

(iii) हिंदू विधवा पुनर्विवाह कानून (iv) राज्य हड़पने का सिद्धांत

अपने उत्तर का चयन निम्नांकित कूटों से करें–

(a) केवल (i) (b) (i) और (iii)
(c) (iii) और iv (d) (i), (ii) और (iv)

U.P. P.C.S. (Pre) 2001

उत्तर–(*)

धार्मिक असुविधा कानून भारत में पारित नहीं हुआ है। जाति अक्षमता कानून 1850 में पारित हुआ था। 1856 ई. के हिंदू विधवा पुनर्विवाह कानून (हिंदू विडो रिमैरिज एक्ट) द्वारा विधवाओं के पुनर्विवाह को कानून संगत बनाया गया। विधवा पुनर्विवाह की स्थिति में सुधार लाने के लिए ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने अथक प्रयत्न किया। 1855 ई. में उन्होंने ब्रिटिश सरकार से विधवा पुनर्विवाह पर कानून बनाने के लिए अनुरोध किया। विधवाओं के कल्याण से जुड़े अन्य नेता थे, पश्चिमी भारत में विष्णुशास्त्री और डी.के. कर्वे। 1899 ई. में डी.के. कर्वे ने पूना में विधवा आश्रम की स्थापना की तथा वर्ष 1916 में बंबई में प्रथम महिला विश्वविद्यालय की स्थापना की। सती निषेध रेगुलेशन लॉर्ड विलियम बेंटिक के समय 1829 ई. में बनाया गया था, जबकि डलहौजी का राज्य हड़पने का सिद्धांत 1848 ई. में ही प्रस्तुत किया गया था।

88. 'हिंदू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम' किस वर्ष पारित हुआ था?

(a) 1856 (b) 1858
(c) 1859 (d) 1862

M.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

89. पश्चिमी भारत के डी.के. कर्वे का नाम निम्नलिखित में से किस संदर्भ में आता है?

(a) सती प्रथा (b) बाल (शिशु) हत्या
(c) स्त्री शिक्षा (d) विधवा पुनर्विवाह

U.P.P.C.S (Pre) 2016

उत्तर–(c & d)

डी.के. कर्वे प्रसिद्ध समाज सुधारक थे। उन्होंने विधवा विवाह एवं महिला शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इन्होंने रानाडे के साथ विधवा पुनर्विवाह आंदोलन का संचालन किया और विधवाओं को शिक्षा देने के लिए 'विधवा आश्रम संघ' की स्थापना की। इस आश्रम का उद्देश्य विधवाओं को शिक्षिकाओं, परिचारिकाओं अथवा दाइयों के रूप में प्रशिक्षित करके आत्मनिर्भर बनाना था। धोंदो केशव कर्वे विधवा पुनर्विवाह संघ के सचिव थे। इन्होंने वर्ष 1916 में बंबई में प्रथम महिला विश्वविद्यालय की स्थापना की।

90. निम्नलिखित में से किसने प्रमुख रूप से विधवा पुनर्विवाह के लिए संघर्ष किया और उसे कानूनी रूप से वैध बनाने में सफलता प्राप्त की?

(a) एनी बेसेंट (b) ईश्वरचंद्र विद्यासागर
(c) एम.जी. रानाडे (d) राजा राममोहन राय

U.P. P.C.S. (Mains) 2012

उत्तर–(b)

Scanned with OKEN Scanner

कलकत्ता के संस्कृत कॉलेज के आचार्य ईश्वरचंद विद्यासागर ने विधवा पुनर्विवाह के लिए अथक संघर्ष किया। इन्होंने यह प्रमाणित करने का प्रयास किया कि वेदों में विधवा विवाह को मान्यता दी गई है। इनके प्रयासों के फलस्वरूप 26 जुलाई, 1856 को 'हिंदू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम' पारित हुआ।

91. इनमें से कौन सेक्रेटरी के रूप में हिंदू फीमेल स्कूल से संबद्ध थे/थीं, जो बाद में बेथ्यून फीमेल स्कूल के नाम से जाना जाने लगा?

(a) एनी बेसेंट (b) देवेंद्रनाथ टैगोर

(c) ईश्वरचंद्र विद्यासागर (d) सरोजिनी नायडू

I.A.S. (Pre) 2021

उत्तर–(c)

बेथ्यून कॉलेज के पहले सेक्रेटरी (सचिव) ईश्वरचंद्र विद्यासागर थे।

92. इनमें से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) सन 1829 में विलियम बेंटिक ने सती प्रथा को कानून द्वारा अपराध घोषित कर दिया।

(b) सन 1856 में सरकार ने कानून बनाया जिसके अनुसार, हिंदू विधवाएं पुनर्विवाह कर सकती थीं।

(c) सन 1875 में स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा आर्य समाज की स्थापना की गई।

(d) राजा राममोहन राय सती प्रथा के समर्थक थे।

M.P. P.C.S. (Pre) 1994

उत्तर–(d)

राजा राममोहन राय ने सती प्रथा का प्रबल विरोध किया था। यह उन्हीं के प्रयासों का फल था कि 1829 के 17वें नियम के अनुसार, विधवाओं को जीवित जलाना बंद कर दिया गया और न्यायालयों को आज्ञा दी गई कि वे ऐसे मामलों में सदोष मानव हत्या के लिए मुकदमा चलाएं और दोषियों को दंडित करें।

93. 1843 के एक्ट V ने किस बात को गैर-कानूनी बना दिया?

(a) बाल विवाह (b) शिशु हत्या

(c) सती (d) गुलामी

U.P. P.C.S. (Mains) 2007

उत्तर–(d)

लॉर्ड एलनबरो के काल में 1843 के एक्ट V ने गुलामी (दासता) को गैर- कानूनी बना दिया। 1833 के चार्टर में एक धारा जोड़ी गई थी, जिसमें दासता को शीघ्रातिशीघ्र समाप्त करने को कहा गया था। अंत में 1843 ई. में समस्त भारत में दासता अवैध घोषित कर दी गई और मालिकों को कोई प्रतिकर दिए बिना सभी दास स्वतंत्र कर दिए गए।

94. निम्नलिखित में से किसने 1872 में नेटिव मैरिज एक्ट को पारित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी?

(a) देवेंद्रनाथ टैगोर (b) ईश्वरचंद्र विद्यासागर

(c) केशवचंद्र सेन (d) श्यामचंद्र दास

U.P. P.C.S. (Mains) 2011

उत्तर–(c)

केशवचंद्र सेन ने 1872 ई. के नेटिव मैरिज एक्ट को पारित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस एक्ट से लड़कियों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 14 वर्ष तथा लड़कों के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई थी। इसे ब्रह्म विवाह अधिनियम भी कहा जाता है।

95. 'नेटिव मैरिज एक्ट' किस वर्ष पारित किया गया था?

(a) 1870 (b) 1872

(c) 1874 (d) 1876

U.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

96. बाल विवाह प्रथा को नियंत्रित करने हेतु 1872 के सिविल मैरिज एक्ट ने लड़कियों के विवाह की न्यूनतम उम्र निर्धारित किया–

(a) 14 वर्ष (b) 18 वर्ष

(c) 16 वर्ष (d) इनमें से कोई नहीं

U.P. P.C.S. (Pre) 2000

उत्तर–(a)

1872 ई. में एक कानून द्वारा, जिसे प्रायः नेटिव या सिविल मैरिज एक्ट कहते थे, 14 वर्ष से कम आयु की कन्याओं तथा 18 वर्ष से कम आयु के लड़कों का विवाह वर्जित कर दिया गया तथा बहुपत्नी प्रथा भी समाप्त कर दी गई। परंतु यह हिंदू-मुस्लिम एवं अन्य मान्यता प्राप्त धर्मावलंबियों पर लागू नहीं होता था और इसका भारतीय समाज पर कोई विशेष प्रभाव नहीं हुआ। एक पारसी सुधारक बी.एम. मालाबारी (B.M. Malabari) के प्रयत्नों के फलस्वरूप सम्मति आयु अधिनियम, 1891 (Age of Consent Act, 1891) पारित किया गया, जिसमें 12 वर्ष से कम आयु की कन्याओं के विवाह पर प्रतिबंध लगा दिया गया। सम्मति आयु अधिनियम, 1891 का बाल गंगाधर तिलक ने विरोध किया था।

97. निम्नलिखित विवरण पर विचार कीजिए–

"1853 में जन्मे ये पश्चिमी भारत के पारसी थे। ये 'इंडियन स्पेक्टेटर' तथा 'वायस ऑफ इंडिया' के संपादक थे। ये एक समाज सुधारक थे और सम्मति आयु अधिनियम, 1891 के पक्ष में प्रमुख संघर्षकर्ता थे।"

Scanned with OKEN Scanner

उपर्युक्त पैराग्राफ किसके विषय में है?

(a) दादाभाई नौरोजी

(b) बी.एम. मालाबारी

(c) डी.पी. वाडिया

(d) नौरोजी फरदौन जी

U.P.R.O/A.R.O. (Pre) 2016

उत्तर–(b)

बहरामजी मालाबारी एक पारसी थे। इन्होंने 'इंडियन स्पेक्टेटर' तथा 'वायस ऑफ इंडिया' का संपादन किया था। ये सम्मति आयु अधिनियम (1891) के प्रबल पक्षधर थे। इस अधिनियम के द्वारा लड़कियों के विवाह की न्यूनतम आयु 12 वर्ष कर दी गई थी। बाल गंगाधर तिलक ने इस अधिनियम का विरोध किया था।

98. शारदा अधिनियम के अंतर्गत लड़कियों एवं लड़कों के विवाह की न्यूनतम आयु क्रमशः कितनी निर्धारित की गई थी?

(a) 12 एवं 16 (b) 14 एवं 18

(c) 15 एवं 21 (d) 16 एवं 22

U.P.P.C.S. (Pre) 2012

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2013

उत्तर–(b)

वर्ष 1929 में अजमेर निवासी एवं न्यायाधीश डॉ. हरविलास शारदा के प्रयत्नों से एक बाल विवाह निषेध कानून बन पाया। उन्हीं के नाम पर ही इसे शारदा अधिनियम (शारदा एक्ट) कहा गया। इस अधिनियम के द्वारा लड़कियों के विवाह की न्यूनतम सीमा 14 वर्ष एवं लड़कों की 18 वर्ष निर्धारित की गई।

99. शारदा एक्ट संबंधित था–

(a) बाल विवाह प्रतिबंध से

(b) अंतर्जातीय विवाह प्रतिबंध से

(c) विधवा विवाह प्रतिबंध से

(d) जनजातीय विवाह प्रतिबंध से

Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2002

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

100. 'थियोसोफिकल सोसाइटी' की स्थापना किसने की?

(a) मैडम एच.पी. ब्लावाट्स्की

(b) राजा राममोहन राय

(c) महात्मा गांधी

(d) स्वामी विवेकानंद

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर–(a)

'थियोसोफिकल सोसाइटी' की स्थापना एक रूसी महिला मैडम एच. पी. ब्लावाट्स्की, अमेरिकी सैनिक अधिकारी कर्नल अल्कॉट, विलियम क्वॉन जज एवं अन्य द्वारा 1875 ई. में न्यूयॉर्क में की गई थी। इस सोसाइटी के संस्थापक 1882 ई. में मद्रास के पास अड्यार नामक स्थान पर सोसाइटी का मुख्यालय स्थापित किए जो बाद में इसका अंतरराष्ट्रीय कार्यालय बना। इसका मुख्य उद्देश्य प्राचीन हिंदू धर्म में लोगों के आत्मविश्वास को जगाना और बढ़ाना तथा धर्म को समाज सेवा का मुख्य आधार बनाना था। जबकि राजा राममोहन राय द्वारा 1828 ई. में 'ब्रह्म समाज' एवं स्वामी विवेकानंद द्वारा 1897 ई. में 'रामकृष्ण मिशन' की स्थापना की गई।

101. भारत में थियोसोफिकल सोसाइटी की सफलता मुख्यतः थी–

(a) एनी बेसेंट के कारण

(b) कर्नल एच.एस. अल्काट के कारण

(c) सर विलियम क्रुक के कारण

(d) एम.एम. मालवीय के कारण

U.P.U.D.A./L.D.A. (Mains) 2010

उत्तर–(a)

1879 ई. में कर्नल अल्काट एवं मैडम ब्लावाट्स्की भारत आए तथा मद्रास में अड्यार के पास थियोसोफिकल सोसाइटी के मुख्यालय की स्थापना की। 1889 ई. में श्रीमती एनी बेसेंट इस सोसाइटी की सदस्य बनीं तथा 1893 ई. में भारत आकर उन्होंने सोसाइटी के लिए सर्वाधिक सक्रिय भूमिका निभाई। श्रीमती एनी बेसेंट ने प्राचीन हिंदू धर्म को विश्व का अत्यधिक गूढ़ एवं आध्यात्मिक धर्म माना। थिसोसोफी या ब्रह्म विद्या हिंदू धर्म के आध्यात्मिक दर्शन और कर्म सिद्धांत तथा आत्मा के पुनर्जन्म के सिद्धांत का समर्थन करती थी। इसी कारण एनी बेसेंट भारतीय लोगों को इससे जोड़ सकीं, जो इसकी सफलता का मुख्य कारण था।

102. निम्नलिखित युग्मों में से कौन सुमेलित नहीं है?

(a) राजा राममोहन राय	-	ब्रह्म समाज
(b) स्वामी दयानंद सरस्वती	-	आर्य समाज
(c) स्वामी विवेकानंद	-	रामकृष्ण मिशन
(d) महादेव गोविंद रानाडे	-	थियोसोफिकल सोसाइटी

U.P.P.C.S. (Mains) 2011

उत्तर–(d)

राजा राममोहन राय ने ब्रह्म समाज की, स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की तथा स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी। महादेव गोविंद रानाडे थियोसोफिकल सोसाइटी से नहीं बल्कि प्रार्थना समाज (संस्थापक-आत्माराम पांडुरंग) से जुड़े थे। थियोसोफिकल सोसाइटी से एनी बेसेंट संबंधित थीं।

Scanned with OKEN Scanner

103. सूची-I को सूची-II से सुमेल कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-(I)	सूची-(II)
1. प्रार्थना समाज	अ. राजा राममोहन राय
2. ब्रह्म समाज	ब. विवेकानंद
3. आर्य समाज	स. दयानंद सरस्वती
4. रामकृष्ण मिशन	द. रानाडे
	इ. रामकृष्ण परमहंस

कूट :

	1	2	3	4
(a)	अ	ब	स	द
(b)	ब	इ	अ	स
(c)	द	अ	स	इ
(d)	द	अ	स	ब

U.P. P.C.S. (Pre) 1994

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

104. निम्न में से कौन सुमेल नहीं है?

(a) थियोसोफिकल सोसाइटी – एनी बेसेंट
(b) रामकृष्ण मिशन – रामकृष्ण परमहंस
(c) ब्रह्म समाज – राजा राममोहन राय
(d) आर्य समाज – दयानंद सरस्वती

U.P. P.C.S. (Pre) 1990

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

105. निम्नलिखित में से कौन एक सुमेलित नहीं है?

(a) प्रार्थना समाज 1867 - डॉ. आत्माराम पांडुरंग
(b) आत्मीय सभा 1815 - देवेंद्रनाथ टैगोर
(c) भारतीय ब्रह्म समाज 1866 - केशवचंद्र सेन
(d) राधास्वामी सत्संग - तुलसीराम

U.P.P.C.S. (Mains) 2014

उत्तर–(b)

आत्मीय सभा की स्थापना 1815 ई. में राजा राममोहन राय ने की। प्रार्थना समाज की स्थापना 1867 ई. में डॉ. आत्माराम पांडुरंग के नेतृत्व में हुई। दो वर्ष बाद इसमें आर.जी. भंडारकर और महादेव गोविंद रानाडे भी शामिल हुए। 1866 ई. में ब्रह्म समाज का विभाजन हो गया। देवेंद्रनाथ टैगोर के नेतृत्व में आदि ब्रह्म समाज तथा केशवचंद्र सेन के नेतृत्व में भारतीय ब्रह्म समाज की स्थापना हुई। परम संत तुलसीराम, राधास्वामी संत्सग से संबंधित हैं।

106. सूची-I को सूची-II से सुमेल कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I	सूची-II
A. ब्रह्म समाज	1. बंबई
B. मानव धर्म सभा	2. सूरत
C. आर्य समाज	3. कलकत्ता
D. नदवा-उल-उल्मा	4. लखनऊ

कूट :

	A	B	C	D
(a)	4	1	3	2
(b)	2	4	3	1
(c)	3	1	4	2
(d)	3	2	1	4

U.P. P.C.S. (Mains) 2003

उत्तर–(d)

1828 ई. में राजा राममोहन राय ने ब्रह्म समाज की नींव कलकत्ता में डाली। मानव धर्म सभा की स्थापना सूरत में हुई। 1875 ई. में दयानंद सरस्वती ने बंबई में आर्य समाज की स्थापना की, जिसका मुख्य उद्देश्य प्राचीन वैदिक धर्म की शुद्ध रूप से पुनः स्थापना करना था। नदवा-उल-उल्मा की स्थापना लखनऊ में हुई। इसने मुस्लिम सामाजिक सुधारों के क्षेत्र में अत्यधिक प्रयास किया।

107. निम्नलिखित में से किस समाज सुधारक ने 1826 के जूरी अधिनियम का घोर विरोध किया?

(a) ईश्वरचंद्र विद्यासागर
(b) राजा राममोहन राय
(c) महादेव गोविंद रानाडे
(d) राजनारायण बसु

U.P. P.C.S. (Pre.) 2017

उत्तर–(b)

1826 ई. में जूरी एक्ट पारित किया गया था, जिसके अंतर्गत न्यायालयों में धार्मिक आधार पर भेदभाव की शुरुआत हुई। इसके अंतर्गत यह प्रावधान था कि हिंदू तथा मुसलमानों के मामलों की सुनवाई किसी यूरोपीय अथवा भारतीय ईसाई जजों द्वारा तो की जा सकती थी, किंतु किसी भी ईसाई, चाहे वह यूरोपीय हो अथवा भारतीय, की सुनवाई किसी हिंदू अथवा मुसलमान न्यायाधीश द्वारा नहीं की जा सकती थी। राजा राममोहन राय ने इस भेदभाव का जोरदार तरीके से विरोध किया था।

108. सुमेलित कीजिए–

A. प्रार्थना समाज	**1. स्वामी विवेकानंद**
B. रामकृष्ण मिशन	**2. महादेव गोविंद रानाडे**
C. सत्यशोधक समाज	**3. सर सैयद अहमद खां**

Scanned with OKEN Scanner

D. मोहम्मडन-एंग्लो ओरिएंटल कॉलेज, अलीगढ़ 4. ज्योतिबा फुले

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	4	3	2
(b)	4	3	2	1
(c)	2	1	4	3
(d)	4	2	3	1

M.P. P.C.S. (Pre) 1994

उत्तर—(c)

प्रार्थना समाज की स्थापना केशवचंद्र की प्रेरणा से डॉ. आत्माराम पांडुरंग ने 1867 ई. में बंबई में की। महादेव गोविंद रानाडे इस संस्था से 1869 ई. में जुड़े। रामकृष्ण मिशन की स्थापना स्वामी विवेकानंद ने 1897 ई. में की। सत्यशोधक समाज की स्थापना ज्योतिबा फुले ने 1873 ई. में की थी। मोहम्मडन-एंग्लो ओरिएंटल कॉलेज, अलीगढ़ की स्थापना सर सैयद अहमद खां ने की।

109. 'पूना सार्वजनिक सभा' की स्थापना की थी-

(a) 1858 ई. में महादेव गोविंद रानाडे ने

(b) 1870 ई. में महादेव गोविंद रानाडे ने

(c) 1870 ई. में पंडिता रमाबाई रानाडे ने

(d) 1870 ई. में सुरेंद्रनाथ बनर्जी ने

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C. (Pre) (Re-Exam) 2020

उत्तर—(b)

'पूना सार्वजनिक सभा' की स्थापना अप्रैल, 1870 में महादेव गोविंद रानाडे ने की थी। इस संस्था के अन्य सदस्यों में बाल गंगाधर तिलक, अरविंद केलकर, गोपाल हरिदेशमुख तथा जीवी जोशी शामिल थे। यह संस्था सरकार एवं जनता के बीच मध्यस्थता कायम करने के लिए स्थापित की गई थी।

110. निम्नलिखित में से कौन एक सही सुमेलित है?

(a) भारतीय ब्रह्म समाज - राजा राममोहन राय

(b) तत्वबोधिनी सभा - केशवचंद्र सेन

(c) सत्यशोधक समाज - देवेंद्रनाथ टैगोर

(d) दि सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी - गोपाल कृष्ण गोखले

U.P. P.C.S. (Spl) (Mains) 2004

उत्तर—(d)

रानाडे के शिष्य गोपाल कृष्ण गोखले ने वर्ष 1905 में 'सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी' की स्थापना की। गोपाल कृष्ण गोखले ने कांग्रेस के इक्कीसवें अधिवेशन (जो 1905 में बनारस में हुआ था) की अध्यक्षता की थी। गोखले, महात्मा गांधी के राजनीतिक गुरु थे। राजा राममोहन राय के विचारों के प्रसार के लिए देवेंद्रनाथ टैगोर ने 1839 ई. में 'तत्वबोधिनी सभा' की स्थापना की। 1865 ई. के बाद केशवचंद्र सेन मौलिक ब्रह्म समाज से अलग हो गए और समाज की एक नई शाखा का संगठन किया, जिसे उन्होंने 'भारतीय समाज' के नाम से पुकारा। सत्यशोधक समाज के संस्थापक ज्योतिबा फुले थे, जिन्होंने 'गुलामगीरी' नामक पुस्तक लिखी थी।

111. एम.सी. सीतलवाड़, बी.एन. राव तथा अल्लादि कृष्णस्वामी अय्यर प्रख्यात सदस्य थे—

(a) स्वराज पार्टी के

(b) ऑल इंडियन नेशनल लिबरल फेडरेशन के

(c) मद्रास लेबर यूनियन के

(d) सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी के

I.A.S. (Pre) 1997

उत्तर—(d)

वर्ष 1905 में पूना में गोपाल कृष्ण गोखले ने भारत सेवक मंडल (Servants of India Society) की स्थापना की, जिसका उद्देश्य भारत सेवा के लिए प्रचारक तैयार करना था और संवैधानिक रूप से भारतीय जनता के सच्चे हितों को प्रोत्साहन देना था। इस मंडल ने वी. श्रीनिवास शास्त्री, जी.के. देवधर, एन.एम. जोशी, पंडित हृदयनाथ कुंजरू जैसे महान समाज सेवक पैदा किए। एम.सी. सीतलवाड़, बी. एन. राव तथा अल्लादि कृष्णस्वामी अय्यर इसके प्रख्यात सदस्य थे।

112. गोपाल कृष्ण गोखले ने किस वर्ष में भारत सेवक मंडल (सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी) की स्थापना की?

(a) 1902 (b) 1903

(c) 1904 (d) 1905

U.P. P.C.S. (Pre.) 2017

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

113. ई.स. 1905 में सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी की स्थापना किसके द्वारा की गई?

(a) सुरेंद्रनाथ बनर्जी (b) विपिन चन्द्र पाल

(c) महादेव गोविंद रानाडे (d) गोपाल कृष्ण गोखले

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre), 2021

उत्तर—(d)

Scanned with OKEN Scanner

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

114. 'सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी' की स्थापना की थी–

(a) ईश्वरचंद्र विद्यासागर

(b) गोपाल कृष्ण गोखले ने

(c) दादाभाई नौरोजी ने

(d) लाला लाजपत राय ने

U.P. Lower Sub. (Pre) 2015

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

115. सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी की स्थापना किसने की थी?

(a) मदन मोहन मालवीय (b) सरोजिनी नायडू

(c) जस्टिस रानाडे (d) गोपाल कृष्ण गोखले

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2010

U.P.P.C.S. (Pre) 1990

U.P.P.C.S. (Pre) 1993

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

116. सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी का संस्थापक कौन था?

(a) एम.जी. रानाडे (b) अनंत पटवर्धन

(c) जी.के. गोखले (d) बी.जी. तिलक

U.P.P.C.S (Mains) 2016

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

117. 'भारत सेवक समाज' की स्थापना किसने की थी?

(a) लाला लाजपत राय

(b) बिपिनचंद्र पाल

(c) गोपाल कृष्ण गोखले

(d) भगत सिंह

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

118. 'बहुजन समाज' का संस्थापक कौन था?

(a) श्री नारायन गुरु (b) मुकुंदराव पाटिल

(c) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर (d) बी.आर. शिंदे

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Pre) 2010

उत्तर–(b)

वर्ष 1910 के उपरांत ज्योतिबा फुले के विचारों से प्रेरित होकर मुकुंदराव पाटिल एवं शंकरराव जाधव ने एक ब्राह्मण विरोधी एवं प्रबल कांग्रेस-विरोधी 'बहुजन समाज' की स्थापना की। यह आंदोलन बाद में उस समय सामाजिक एवं राजनीतिक रूप में विघटनकारी और ब्रिटिश सरकार का समर्थक हो गया, जब कोल्हापुर के शाहू महाराज ने अपने दरबार में ब्राह्मण दरबारियों के साथ विवादों एवं झगड़ों के कारण इस आंदोलन को संरक्षण दिया।

119. किसके द्वारा मंदिरों में प्रवेश के अधिकार की मांग की प्रस्तुति के कारण 1899 ई. में तिरुनेलवेली में भयंकर दंगे हुए थे?

(a) ओकालिंग (b) नाडार

(c) महार (d) पाली

40th B.P.S.C. (Pre) 1995

उत्तर–(b)

नाडारों द्वारा मंदिरों में प्रवेश के अधिकार की मांग की प्रस्तुति के कारण 1899 ई. में तिरुनेलवेली में भयंकर दंगे हुए थे।

120. किसने कहा कि "यदि भगवान अस्पृश्यता को सहन करते हैं, तो मैं उन्हें कभी भगवान नहीं मानूंगा"?

(a) बी.आर. अम्बेडकर (b) बाल गंगाधर तिलक

(c) लाला लाजपत राय (d) महात्मा गांधी

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains) 2004

उत्तर–(b)

छुआछूत उन्मूलन के लिए आयोजित एक सम्मेलन में तिलक ने कहा था, "यदि भगवान भी छुआछूत को बरदाश्त करे, तो मैं भगवान को नहीं मानूंगा।" तिलक को लोग प्रायः 'लोकमान्य' और भारत का 'बेताज बादशाह' कहते थे।

121. सूची-I का सूची-II से सुमेल कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I	सूची-II
A. राजा राममोहन राय	1. यह कहा कि ब्रह्मवाद को विश्व धर्म बनाना चाहिए
B. केशवचंद्र सेन	2. हिंदू धर्म की पहचान वेदों में संस्थापित धर्म से की
C. दयानंद सरस्वती	3. इस पर जोर दिया कि ईश्वर तक पहुंचने के कई मार्ग हो सकते हैं
D. रामकृष्ण परमहंस	4. यह कहा कि हिंदू धर्म का शुद्धतम रूप उपनिषदों में निहित है

Scanned with OKEN Scanner

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	4	2	3
(b)	1	4	3	2
(c)	4	1	3	2
(d)	4	1	2	3

U.P. Lower Sub. (Pre) 1998

उत्तर–(d)

ब्रह्म समाज के संस्थापक राममोहन राय उस समय हिंदू धर्म के रक्षक के रूप में सामने आए जब पाश्चात्य शिक्षा से प्रभावित होकर तरुण बंगाली ईसाई धर्म की ओर आकर्षित हो रहे थे। उन्होंने हिंदू धर्म के सिद्धांतों की पुनर्व्याख्या की और अपने सुधारों के लिए उपनिषदों से पर्याप्त मात्रा में आधार खोज निकाले। स्वामी दयानंद सरस्वती शुद्ध वैदिक परंपरा में विश्वास रखते थे, उन्होंने 'वेदों की ओर लौटो' का नारा दिया। केशवचंद्र ने ब्रह्मवाद को विश्व धर्म बनाने का आह्वान किया। रामकृष्ण परमहंस ने इस बात पर जोर दिया था कि ईश्वर तक पहुंचने के कई मार्ग हो सकते हैं। उन्होंने उपासना के सभी रूपों में एक ही परमात्मा की आराधना करते हुए सभी धर्मों की पूजा विधियों में एक ही ईश्वर की खोज की, जिसे पाने के लिए सभी धर्मावलंबी अपने-अपने मार्ग से उस गंतव्य का ध्यान करते हैं।

122. निम्नलिखित में से कौन-सा सुमेलित नहीं है?

(a) ए. पांडुरंग – प्रार्थना समाज
(b) दयानंद – आर्य समाज
(c) राजा राममोहन राय – आदि ब्रह्म समाज
(d) विवेकानंद – रामकृष्ण मिशन

U.P. P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर–(c)

राजा राममोहन राय ने 1828 ई. में ब्रह्म समाज की स्थापना की थी, बाद में देवेंद्रनाथ टैगोर के तहत यह 'आदि ब्रह्म समाज' कहलाया। 1865 ई. में केशवचंद्र सेन एवं देवेंद्रनाथ टैगोर के मध्य वैचारिक मतभेद हो जाने के कारण 1866 ई. में केशवचंद्र सेन ने भारतीय ब्रह्म समाज/ नव विधान ब्रह्म समाज के नाम से एक नई सभा का गठन किया। जिसके बाद देवेंद्रनाथ टैगोर के ब्रह्म समाज को 'आदि ब्रह्म समाज' के नाम से जाना जाने लगा।

123. निम्नलिखित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

संगठन		व्यक्ति
(a) यंग बंगाल आंदोलन	-	हेनरी विवियन डेरोजियो
(b) बहिष्कृत हितकारिणी	-	ज्योतिबा फुले
(c) थियोसोफिकल सोसाइटी	-	कर्नल अल्काट
(d) यूनाइटेड इंडियन पेट्रियोटिक-एसोसिएशन		सैयद अहमद खान

U.P. R.O./ A.R.O. (Re-Exam) (Pre) 2016

उत्तर–(b)

बहिष्कृत हितकारिणी सभा की स्थापना बाबासाहेब भीमराव रामजी अम्बेडकर ने किया था। शेष विकल्प सही सुमेलित हैं।

124. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए।

सूची-I (व्यक्ति)	सूची-II (संबंधित कार्य/पद)
A. डी.के. कर्वे	1. कलकत्ता में कन्या विद्यालय की स्थापना
B. जे.ई.डी. बेथुन	2. सचिव, विडो री-मैरिज एसोसिएशन
C. ईश्वरचन्द्र विद्यासागर	3. बाल विवाह विरुद्ध संघर्ष प्रारंभ करना
D. बी.एम. मालाबारी	4. कलकत्ता में संस्कृत कॉलेज के प्राचार्य

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	1	4	3
(b)	1	2	3	4
(c)	1	2	4	3
(d)	2	1	3	4

U.P.P.C.S. (Pre) 2022

उत्तर-(a)

सूची-I तथा सूची-II का सुमेलन निम्नवत है-

सूची-I (व्यक्ति)		सूची-II (संबंधित कार्य/पद)
डी.के. कर्वे	-	सचिव, विडो री-मैरिज एसोसिएशन
जे.ई. डी. बेथुन	-	कलकत्ता में कन्या विद्यालय की स्थापना
ईश्वरचन्द्र विद्यासागर	-	कलकत्ता में संस्कृत कॉलेज के प्राचार्य
बी.एम. मालाबारी	-	बाल विवाह के विरुद्ध संघर्ष प्रारंभ करना

125. प्रार्थना समाज, यंग इंडिया, लोकहितवादी, सत्यशोधक समाज, रहनुमाई मजदायसन सभा के लिए निम्न विकल्पों में से सही संयोजन पहचानिए-

(a) गोपाल हरि देशमुख, आत्माराम पांडुरंग, मोहनदास करमचंद गांधी, ज्योतिबा फुले, नौरोजी फुरदोनजी

Scanned with OKEN Scanner

(b) आत्माराम पांडुरंग, मोहनदास करमचंद गांधी, गोपाल हरि देशमुख, ज्योतिबा फुले, नौरोजी फुरदोनजी
(c) आत्माराम पांडुरंग, ज्योतिबा फुले, मोहनदास करमचंद गांधी, गोपाल हरि देशमुख, नौरोजी फुरदोनजी
(d) नौरोजी फुरदोनजी, आत्माराम पांडुरंग, मोहनदास करमचंद गांधी, गोपाल हरि देशमुख, ज्योतिबा फुले
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(b)

प्रार्थना समाज की स्थापना 1867 ई. में बंबई में आचार्य केशवचंद्र सेन की प्रेरणा से आत्माराम पांडुरंग द्वारा की गई थी। महात्मा गांधी द्वारा प्रारंभ किए गए समाचार-पत्र थे- इंडियन ओपीनियन, हरिजन, यंग इंडिया तथा नवजीवन। महाराष्ट्र के समाज सुधारक गोपाल हरि देशमुख 'लोकहितवादी' के रूप में प्रख्यात थे। 1873 ई. में 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना ज्योतिबा फुले ने की थी। 1851 ई. में नौरोजी फुरदोनजी ने अन्य पारसी सहयोगियों के साथ रहनुमाई मजदायसन सभा की स्थापना की। इस प्रकार विकल्प (b) सही संयोजन है।

126. निम्नलिखित में से कौन एक सही सुमेलित है?

(a) भारत धर्म महामंडल – दिल्ली
(b) देव समाज – बनारस
(c) राधास्वामी सत्संग – लाहौर
(d) सनातन धर्म रक्षिणी सभा – कलकत्ता

U.P.P.C.S. (Pre) 2022

उत्तर-(d)

प्रश्नगत विकल्पों का सही सुमेलन है–

भारत धर्म महामंडल	–	हरिद्वार
देव समाज	–	लाहौर
राधास्वामी सत्संग	–	आगरा
सनातन धर्म रक्षिणी सभा	–	कलकत्ता

127. निम्नलिखित समाज सुधारकों में से कौन संस्कृत भाषा में प्रवीणता के लिए जाना जाता है?

(a) दयानंद सरस्वती (b) ईश्वरचंद्र विद्यासागर
(c) राजा राममोहन राय (d) उपर्युक्त सभी

U.P.P.C.S. (Mains) 2013

उत्तर–(d)

दयानंद सरस्वती, ईश्वरचंद्र विद्यासागर और राजा राममोहन राय ने अंग्रेजी शासन के दौरान भारत में धार्मिक-सामाजिक सुधार हेतु अनथक प्रयत्न किए। तीनों ही संस्कृत भाषा में प्रवीण थे और हिंदू धर्म तथा समाज में फैली कुरीतियों का खंडन किया।

128. निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए–

1. ब्रह्म समाज एकेश्वरवाद का समर्थन करता था।
2. आर्य समाज ने शिक्षा के विकास में योगदान दिया।
3. रामकृष्ण मिशन की स्थापना स्वामी विवेकानंद ने की।

उत्तर निम्न कूटों के आधार पर दीजिए–

(a) 1, 2 एवं 3 सही हैं। (b) 1 एवं 2 सही हैं।
(c) 1 एवं 3 सही हैं। (d) 2 एवं 3 सही हैं।

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2008

उत्तर–(a)

20 अगस्त, 1828 को राजा राममोहन राय ने ब्रह्म समाज की स्थापना की। इसका उद्देश्य एकेश्वरवाद की उपासना, मूर्ति पूजा का विरोध, पुरोहितवाद का विरोध तथा अवतारवाद का खंडन था। आर्य समाज की स्थापना 1875 ई. में दयानंद सरस्वती ने की थी। आर्य समाज के अनुयायियों ने विद्या के प्रसार और शिक्षा के प्रसार के क्षेत्र में विशेष कार्य किया। रामकृष्ण मिशन की स्थापना 1897 ई. में स्वामी विवेकानंद ने की थी।

129. भारत में नारी आंदोलन इनकी प्रेरणा से प्रारंभ हुआ–

(a) पद्माबाई रानाडे (b) एनी बेसेंट
(c) सरोजिनी नायडू (d) ज्योतिबा फुले

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर–(d)

प्रश्नगत विकल्पों में भारत में नारी आंदोलन ज्योतिबा फुले की प्रेरणा से प्रारंभ हुआ। ज्योतिबा फुले मानते थे कि महिलाओं एवं दलितों का उत्थान करके ही सामाजिक बुराइयों को दूर किया जा सकता है। 1848 ई. में इन्होंने लड़कियों के लिए एक स्कूल खोला। यह लड़कियों के लिए भारत का प्रथम स्कूल था, आधुनिक भारत में महिला आंदोलन की प्रेरणा स्रोत रमाबाई रानाडे रही हैं। महादेव गोविंद रानाडे की पत्नी श्रीमती रमाबाई ने सेवा सदन नामक संगठन की स्थापना की थी। यदि विकल्प (a) में रमाबाई नाम होता तो यही उत्तर होता। यही कारण है कि बिहार लोक सेवा आयोग ने किसी विकल्प को सही उत्तर नहीं माना है और तारांकित किया है।

130. ब्रह्म समाज, रामकृष्ण मिशन और आर्य समाज में क्या समानता थी?

(a) तीनों ही राजनैतिक उद्देश्यों के लिए नहीं बने, लेकिन तीनों ने ही देशभक्ति की भावना के विकास में सहायता दी।
(b) तीनों ही संगठनों का प्रादुर्भाव बंगाल में हुआ।
(c) तीनों ही संगठनों के संस्थापकों की शिक्षा इंग्लैंड में हुई।
(d) तीनों ही संगठनों के संस्थापकों ने राजनीति में सक्रिय भाग लिया।

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2008

उत्तर–(a)

Scanned with OKEN Scanner

ब्रह्म समाज, रामकृष्ण मिशन और आर्य समाज तीनों ही संगठन समाज सुधार, शिक्षा के विकास एवं देशभक्ति की भावना के विकास में सहायक सिद्ध हुए। ये तीनों ही संगठन राजनैतिक उद्देश्यों के लिए नहीं बने थे, बल्कि इनका उद्देश्य भारत में सामाजिक-धार्मिक-सांस्कृतिक सुधार करना था। इन तीनों ने ही देशवासियों को जागृत कर देशभक्ति की भावना के विकास में सहायता दी।

131. इनमें से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) डॉ. एनी बेसेंट थियोसोफिस्ट थीं।

(b) थियोसोफिकल सोसाइटी का अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय मद्रास में है।

(c) स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना की।

(d) महात्मा गांधी का जन्म गांधीनगर में हुआ था।

M.P. P.C.S. (Pre) 1995

उत्तर–(d)

महात्मा गांधी का जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को पोरबंदर (गुजरात) में हुआ था। अतः कथन (d) असत्य है। अन्य कथनों का विवरण इस प्रकार है–

(i) 1889 ई. में एनी बेसेंट ने थियोसोफिकल सोसाइटी की सदस्यता ली। वर्ष 1907 में कर्नल अल्काट की मृत्यु के बाद एनी बेसेंट थियोसोफिकल सोसाइटी की अध्यक्ष बनीं।

(ii) मद्रास (अड्यार) में थियोसोफिकल सोसाइटी का अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय स्थापित किया गया था।

(iii) 1875 ई. में स्वामी दयानंद सरस्वती ने बंबई में आर्य समाज की स्थापना की थी।

132. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए–

आंदोलन/संगठन		नायक (लीडर)
1. अखिल भारतीय अस्पृश्यता विरोधी लीग	:	महात्मा गांधी
2. अखिल भारतीय किसान सभा	:	स्वामी सहजानंद सरस्वती
3. आत्मसम्मान आंदोलन	:	ई.वी. रामास्वामी नायकर

उपर्युक्त में से कौन-सा/से युग्म सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

IAS (Pre) 2019

उत्तर–(d)

'अखिल भारतीय अस्पृश्यता विरोधी लीग' जिसका नाम बाद में 'हरिजन सेवक संघ' कर दिया गया था, की स्थापना महात्मा गांधी ने वर्ष 1932 में की थी। अखिल भारतीय किसान सभा की स्थापना वर्ष 1936 में लखनऊ में की गई थी तथा इसके अध्यक्ष स्वामी सहजानंद सरस्वती और महासचिव एन.जी. रंगा थे। आत्मसम्मान आंदोलन (बीसवीं शती के तीसरे-चौथे दशक में) पेरियार नाम से प्रसिद्ध ई.वी. रामास्वामी नायकर द्वारा तमिलनाडु में निचले तबके की मानी जाने वाली जातियों को समान अधिकार दिलाने के उद्देश्य से चलाया गया था।

133. नव-बौद्धवाद के प्रतिपादक कौन हैं?

(a) राधाकृष्णन (b) टैगोर

(c) अम्बेडकर (d) विवेकानंद

Chhattisgarh P.C.S. (Pre), 2019

उत्तर–(c)

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर द्वारा प्रारंभ दलित बौद्ध आंदोलन को 'नव-बौद्धवाद' (Neo-Buddhism) के नाम से भी जाना जाता है। इसके तहत बौद्ध धर्म की पुनर्व्याख्या करते हुए 'नवायान' नामक नए बौद्ध संप्रदाय की स्थापना भी की गई।

134. 'दार-उल-उलूम' की स्थापना की थी–

(a) मौलाना शिब्ली नुमानी ने

(b) मौलाना हुसैन अहमद ने

(c) मौलवी अब्दुल्लाह चक्रलवी ने

(d) मौलाना अहमद रिज़ा खान ने

U.P.P.C.S. (Mains) 2014

उत्तर–(a)

दार-उल-उलूम नदवातुल उलमा, जो सामान्यतः दार-उल-उलूम नाम से जाना जाता है, की स्थापना 1898 ई. में लखनऊ में की गई थी। इसकी स्थापना नदवातुल उलमा द्वारा की गई थी। नदवातुल उलमा का गठन 1893 ई. में कानपुर में अलीगढ़ के मौलाना लुत्फुल्लाह साहब की अध्यक्षता में किया गया था। जिसके संस्थापकों में मौलाना शिब्ली नुमानी शामिल थे। शिब्ली नुमानी के परामर्श पर नदवातुल उलमा ने दार-उल-उलूम (लखनऊ में) की स्थापना की। शिब्ली नुमानी दार-उल-उलूम के प्रमुख शिक्षक भी थे।

135. देवबंद आंदोलन, यू.पी. (संयुक्त प्रांत) में किस वर्ष में आरंभ हुआ था?

(a) 1900 ई. (b) 1888 ई.

(c) 1885 ई. (d) 1866 ई.

U.P.P.C.S (Pre) 2016

उत्तर–(d)

देवबंद आंदोलन की शुरुआत हुज्जत-अल-इस्लाम इमाम मुहम्मद कासिम अल ननौतवी द्वारा 1866 ई. में देवबंद, यू.पी. (संयुक्त प्रांत) में दार-उल-उलूम की स्थापना के साथ हुई। इसके सह-संस्थापक रशीद अहमद गंगोही, सैयद अहमद आबिद, जुल्फिकार अली आदि थे।

136. 'फरैजी आंदोलन' की शुरुआत किसने की?

(a) हाजी शरियातुल्लाह (b) सैयद अहमद

(c) सलीमुल्लाह (d) एम.ए. जिन्ना

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(a)

Scanned with OKEN Scanner

फराजी/फरैजी लोग बंगाल के फरीदपुर के हाजी शरियातुल्लाह द्वारा चलाए गए संप्रदाय के अनुयायी थे। ये लोग अनेक धार्मिक, सामाजिक तथा राजनैतिक आमूलचूल परिवर्तनों का प्रतिपादन करते थे। शरियातुल्लाह के पुत्र दादू मियां ने बंगाल से अंग्रेजों को निकालने की योजना बनाई। अंत में इस संप्रदाय के अनुयायी वहाबी दल में सम्मिलित हो गए।

137. 1924 का बंगाल का 'तारकेश्वर आंदोलन' निम्न में से किसके विरुद्ध था?

(a) मंदिरों में भ्रष्टाचार (b) हिंसा

(c) राजनैतिक नेताओं की गिरफ्तारी (d) सांप्रदायिकता

U.P. P.C.S. (Pre) (Re-Exam) 2015

उत्तर–(a)

वर्ष 1924 में बंगाल के तारकेश्वर शिव मंदिर के भ्रष्ट महंत के विरुद्ध तारकेश्वर आंदोलन चला था। महंत पर एक स्त्री के साथ अवैध संबंध तथा मंदिर के धन के दुरुपयोग जैसे आरोप लगे थे।

138. 'हाली पद्धति' संबंधित थी–

(a) बंधुआ मजदूर से (b) किसानों के शोषण से

(c) छुआछूत से (d) अशिक्षा से

U.P. P.C.S. (Pre) 2015

उत्तर–(a)

'हाली पद्धति' बंधुआ मजदूर एवं बंधुआ मजदूरी से संबंधित है। 'हाली पद्धति' के अंतर्गत बारदोली क्षेत्र में कालिपराज जनजाति के लोगों को उच्च जातियों के यहां पुश्तैनी मजदूर के रूप में कार्य करना होता था।

139. निम्नलिखित नेताओं में किसने क्रांतिकारी संगठन, 'अभिनव भारत समाज' की स्थापना की?

(a) भगत सिंह

(b) विनायक दामोदर सावरकर

(c) बारींद्र कुमार घोष

(d) पुलिन बिहारी

U.P.P.C.S. (Pre) 2018

उत्तर–(b)

विनायक दामोदर सावरकर और उनके भाई गणेश दामोदर सावरकर ने 'मित्र मेला' नामक संगठन शुरू किया था, जिसे वर्ष 1904 में नासिक में वी.डी. सावरकर ने नाम परिवर्तित कर 'अभिनव भारत समाज' (Young India Society) नामक क्रांतिकारी संगठन के रूप में स्थापित कर दिया था।

Scanned with OKEN Scanner